सागर. सागर शहर की खूबर लाखा बंजारा झील का मनोरम दृश्य।

फोटो-सतीश पाठक

खास-खबरें

लाखा बंजारा झील किनारे बारिश की बूंदा-बांदी के बीच टेंट लगाकर की गई गंगा आरती में श्रद्धालुओं ने पूजन कर धर्मलाभ लिया

सागर : लाखा बंजारा झील किनारे प्रति सोमवार की जा रही गंगा आरती भक्ति श्रद्धा के साथ ही स्वच्छता जागरूकता का प्रतीक बन चुकी है। सोमवार को झील किनारे बारिश की बूंदा-बांदी के बीच टेंट लगाकर की गई गंगा आरती में श्रद्धालुओं ने पूजन कर धर्मलाभ लिया। चकराघाट के पास विठ्ठल मंदिर घाट पर गंगा आरती के धार्मिक सांस्कृतिक आयोजन में बड़ी संख्या में नागरिकों और झील घूमने आने वालों ने शामिल होकर सांस्कृतिक आयोजन को भव्य बनाया। रंग बिरंगी विद्युत साजसज्जा से सजी नौकाओं में सबार होकर श्रद्धालु भक्ति श्रद्धा के साथ गंगा आरती में शामिल हुए। इस आध्यात्मिक सांस्कृतिक गंगा आरती में बच्चे बुजुर्ग महिलाएं पुरुष और युवा सभी बढ़चढ़ कर शामिल होकर धर्म लाभ ले रहे हैं। धूप कपूर गुगल की सुगंध से सुगंधित वातावरण में गंगा आरती के आध्यात्मिक सांस्कृतिक आयोजन से धर्मलाभ लेने वालों की संख्या बढ़ रही है। आरती के दौरान झील के जल पर तैरते दिये आकर्षित करते हैं। गंगा आरती का आयोजन सागर के नागरिकों और सागर में दूर-दराज से आने वाले आगनतुकों के लिए श्रद्धा भक्ति और उमंग के साथ ही मुख्य आकर्षण का केंद्र बना है। आध्यात्मिक सांस्कृतिक गंगा आरती में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। गंगा आरती नागरिकों में धार्मिक आध्यात्मिक चेतना के साथ ही शहर की स्वच्छता सुंदरता के प्रति जागृति भी बढ़ रही है, लोग झील और जल स्त्रोतों को स्वच्छ व सुरक्षित बनाने में सहयोगी बन रहे हैं। आज गंगा आरती के आयोजन से चकराघाट और इसके आस पास के क्षेत्र में चहल कदमी बढ़ी है। बड़ी संख्या में नागरिक अपने परिजनों सहित यहां घूमने आते हैं और झील में नौकायन सहित घाटों की सुंदरता का भी आंनद ले रहे हैं। यहां रेहड़ी एवं अन्य व्यापारिक गतिविधियों में भी वृद्धि हुई है। झील और झील के आसपास के आकर्षक नजारे सहित गंगा आरती के धार्मिक सांस्कृतिक आयोजन से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है।

लक्ष्मी तरू पर्यावरण संरक्षण के साथ औषधीय गुणों से भरपूर वृक्ष है : कपिल मलैया

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के वैली कैंपस में सोमवार को विचार समिति द्वारा लक्ष्मी तरू के 50 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में पिछले कुछ दिनों के दौरान 500 पौधे लगाए जा चुके हैं। यह अभियान भारत सरकार की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसी श्रृंखला में विचार समिति के सहयोग से 50 पौधों का रोपण किया गया है तथा आगामी दिनों में भी वृक्षारोपण अभियान जारी रहेगा। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने लक्ष्मी तरू की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह तेजी से बढ़ने वाला सदाबहार, औषधीय एवं बहुउपयोगी वृक्ष है। इसके बीजों से तेल निकाला जाता है, जिसका उपयोग जैव ईंधन, साबुन और विभिन्न प्रसाधन सामग्री के निर्माण में किया जाता है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी यह पौधा अत्यंत उपयोगी माना जाता है। समिति द्वारा एक हजार लक्ष्मी तरू के पौधे तैयार किए जा रहे हैं, जिनका आगामी दिनों में विभिन्न स्थानों पर रोपण किया जाएगा।

मलैया ने बताया कि विचार समिति लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय है। उन्होंने बताया कि समिति अब तक मंगलगिरी के पहाड़ी क्षेत्र में 12 हजार पौधे लगा चुकी है, जो अब विकसित होकर घने जंगल का स्वरूप ले चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि राजघाट कैचमेंट क्षेत्र में समिति द्वारा एक लाख 11 हजार सीड बॉल का रोपण किया गया था। तीन वर्ष पूर्व कराए गए सर्वे में इनमें से करीब 14 हजार पौधे विकसित होकर पेड़ बन चुके थे, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। कार्यक्रम में राहुल गोस्वामी, सोहिल कुरैशी, देवव्रत गुप्ता, अभिनाश दुबे, राहुल अहिरवार, माधव यादव, हाकम लोधी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का उद्घोष राष्ट्रीय एकात्मता का संकल्प था

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन अखंड भारत और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रेरक अध्यायः भूपेंद्र सिंह

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर। पूर्व गृहमंत्री एवं वरिष्ठ विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि 6 जुलाई भारतीय जनमानस के लिए केवल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती का अवसर नहीं है, बल्कि उस राष्ट्रवादी चिंतन को स्मरण करने का दिवस है जिसने स्वतंत्र भारत की वैचारिक दिशा को गहराई से प्रभावित किया। डॉ. मुखर्जी ऐसे युगदृष्टा थे, जिन्होंने राजनीति को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सर्वोच्च साधन माना। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में सिद्ध किया कि व्यक्ति से बड़ा राष्ट्र, सत्ता से बड़े सिद्धांत और राजनीतिक सफलता से अधिक राष्ट्रीय स्वाभिमान महत्वपूर्ण है। उनका जीवन भारतीय लोकतंत्र, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और अखंड भारत के संकल्प का प्रेरक अध्याय है। आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब उनके विचार और प्रासंगिक हो गए हैं। भाजपा जिस राष्ट्र प्रथम की विचारधारा को लेकर आगे बढ़ रही है, उसकी वैचारिक आधारशिला डॉ. मुखर्जी ने ही रखी थी।

भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का स्पष्ट विश्वास था कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं का नाम नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से विकसित हुई एक सांस्कृतिक चेतना, साझा सभ्यता और राष्ट्रीय आत्मा का प्रतीक है। भारत की विविध भाषाएं, परंपराएं और जीवन पद्धतियां इसकी शक्ति हैं, किंतु इन सबके केंद्र में एक अखंड राष्ट्रीय पहचान होना अनिवार्य है। यदि राष्ट्र की एकता कमजोर होती है तो लोकतंत्र भी स्थायी रूप से मजबूत नहीं रह सकता। इसलिए उन्होंने सदैव राष्ट्रहित को दलगत राजनीति से ऊपर रखा। यही सांस्कृतिक राष्ट्रवाद आज %एक भारत-श्रेष्ठ भारत की अवधारणा का सशक्त आधार बन चुका है।

सिंह ने कहा कि डॉ. मुखर्जी तुष्टिकरण की राजनीति के प्रबल विरोधी थे। उनका मानना था कि लोकतंत्र में नागरिकों के अधिकार धर्म, जाति या भाषा के आधार पर अलग-अलग नहीं हो सकते। संविधान के समक्ष प्रत्येक नागरिक समान है। उन्होंने वोट बैंक की राजनीति को राष्ट्रीय एकता के लिए घातक माना तथा समान अधिकार और समान न्याय की वकालत की। आज देश में समान नागरिक संहिता (ष्टष्ट) पर जो विमर्श चल रहा है, वह भी उसी व्यापक संवैधानिक और राष्ट्रवादी दृष्टि का विस्तार है। भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का प्रश्न डॉ. मुखर्जी के जीवन का सबसे ऐतिहासिक अध्याय रहा। उनका उद्घोष—एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे—भारत की अखंडता का नारा था। इसी विश्वास के साथ उन्होंने बिना परमिट जम्मू-कश्मीर जाने का निर्णय लिया, जहां हिरासत के दौरान उनका रहस्यमयी परिस्थितियों में निधन हो गया। उनका यह सर्वोच्च त्याग प्रत्येक राष्ट्रवादी के लिए प्रेरणा है। समय ने सिद्ध किया कि उनकी दूरदृष्टि कितनी सटीक थी। 5 अगस्त 2019 को जब जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त किया गया, तब करोड़ों देशवासियों ने इसे डॉ. मुखर्जी के अधूरे संकल्प की पूर्णता के रूप में देखा। आज पूरे देश में एक संविधान और एक तिरंगा लागू है। अंत में उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी के लिए डॉ. मुखर्जी का जीवन विशेष प्रेरणा है। राष्ट्र पहले, स्वार्थ बाद में; कर्तव्य पहले, अधिकार बाद में यही उनका संदेश था। उनकी जयंती पर सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम राष्ट्र की एकता, अखंडता, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प को अपने जीवन का ध्येय बनाएं।

सिद्धांतों के लिए सत्ता का मोह त्यागने वाले युगपुरुष

उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी के लिए राजनीति सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की सेवा और जनकल्याण का दायित्व थी। जब उन्हें लगा कि कुछ नीतियाँ राष्ट्रीय हित के अनुरूप नहीं हैं, तब उन्होंने सत्ता का मोह त्यागकर सिद्धांतों का मार्ग चुना। उन्होंने संदेश दिया कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति सत्ता परिवर्तन में नहीं, बल्कि सिद्धांतों के प्रति अडिग रहने में होती है। आज भाजपा जिस सुशासन, जनसेवा और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि की बात करती है, उसकी वैचारिक प्रेरणा डॉ. मुखर्जी के जीवन से ही प्राप्त होती है। देश को राष्ट्रवाद और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित विकल्प देने के लिए उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में देश का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक जनआंदोलन बनी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे आत्मनिर्भर भारत, गरीब कल्याण और सांस्कृतिक गौरव के कार्यों में डॉ. मुखर्जी के विचारों की स्पष्ट झलक दिखाई देती है।

एनएच-44 पर बने अवैध कट बने मौत का रास्ता, अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

मालथौन : नेशनल हाईवे 44 के सागर-ललितपुर मार्ग पर अपनी सुविधा के लिए बनाए गए अवैध कट अब राहगीरों के लिए काल साबित हो रहे हैं। बीती रविवार की रात बरोदिया कलां फोरलेन सड़क पर एक ढाबे के सामने डिवाइडर तोड़कर बनाए गए ऐसे ही एक अवैध कट के कारण एक व्यक्ति को अपनी जान गंवानी पड़ी। दरअसल, मालथौन से बांदरी के बीच स्वार्थी तत्वों ने नेशनल हाईवे के डिवाइडर तोड़कर दर्जनों अवैध कट बना लिए हैं, जो अब बड़े हादसों का सबब बन रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 9 बजे बरोदिया कलां निवासी 50 वर्षीय रामनाथ अहिरवार अपनी साइकिल से इस अवैध कट के जरिए सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रामनाथ अहिरवार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सोमवार सुबह शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर आरोपी अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि स्वार्थी तत्वों की कमाई की चाहत और फोरलेन अथॉरिटी की घोर लापरवाही के कारण ये अवैध कट बंद नहीं किए जा रहे हैं। प्रशासन और हाईवे अथॉरिटी की इस बेबसी का खामियाजा आम जनता को अपनी जान देकर भुगतना पड़ रहा है।

दीपक मेमोरियल एकेडमी में मेधावी छात्र सम्मानित, एआई एवं रोबोटिक्स लैब का उद्घाटन

प्रतिभाओं को निखरते देखना और उनके उज्जवल भविष्य का गवाह बनना सुखद अनुभवः पूर्व मंत्री एवं खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर। शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाओं को निखरते देखना और उनके उज्ज्वल भविष्य का गवाह बनना सदैव एक सुखद अनुभव होता है। इसी कड़ी में आज सागर स्थित प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान दीपक मेमोरियल एकेडमी (डीएमए) द्वारा डीएमए प्राइड बोर्ड अचीवर्स समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस गौरवमयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ जनप्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करना था। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में विद्यालय और जिले का नाम रोशन करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मेधावी छात्र-छात्राओं की यह सफलता उनकी कठिन मेहनत, लगन और शिक्षकों व अभिभावकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। परीक्षा में उत्कृष्ट अंक लाना एक बेहतरीन शुरुआत है, और ये बच्चे आगे चलकर देश व समाज का नाम रोशन करेंगे।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में नवनिर्मित अत्याधुनिक %ढ्ढ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) एवं रोबोटिक्स लैब का भी भव्य उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय की मांग के अनुसार हमारी युवा पीढ़ी को तकनीक और नवाचार से जोड़ने का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। यह लैब विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तार्किक सोच विकसित करने में मील का पत्थर साबित होगी।

अंत में मुख्य अतिथि ने सभी सफल छात्र-छात्राओं, उनके गौरवान्वित अभिभावकों और दीपक मेमोरियल एकेडमी के विद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई देते हुए भविष्य की अनंत शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधन, शिक्षक और बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

स्पेशल खबर जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की बैठक संपन्न, नए जिलाध्यक्ष के लिए हुई रायशुमारी

अल्पसंख्यक समाज हमेशा से कांग्रेस का अभिन्न और मजबूत हिस्सा रहा हैः भूपेंद्र सिंह मुहासा

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर। जिला कांग्रेस कमेटी सागर शहर एवं ग्रामीण के अल्पसंख्यक विभाग की एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आज यहाँ गौर मूर्ति स्थित राजीव गांधी भवन कांग्रेस कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन की मजबूती और अल्पसंख्यक विभाग के नए जिला अध्यक्ष के चयन के लिए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की राय जानना था।

इस सांगठनिक बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के महासचिव एवं सागर जिला प्रभारी श्री अशरफ खान उपस्थित रहे। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह मुहासा एवं जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश जाटव ने की। बैठक के दौरान जिला प्रभारी श्री अशरफ खान ने अल्पसंख्यक विभाग के नए जिला अध्यक्ष के चयन की निर्धारित संगठनात्मक प्रक्रिया से सभी उपस्थित जनों को विस्तार से अवगत कराया। इसके बाद उन्होंने पद के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रहे योग्य उम्मीदवारों से वन-टू-वन (व्यक्तिगत) चर्चा की और संगठन के प्रति उनकी कार्ययोजना तथा राय को जाना।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह मुहासा ने कहा कि कांग्रेस की नीति हमेशा से सर्वधर्म समभाव की रही है। पार्टी के विभिन्न विभागों और प्रकोष्ठों का गठन इसीलिए किया जाता है ताकि समाज के हर वर्ग और सभी धर्मों के लोगों को उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। इसके माध्यम से कार्यकर्ता संगठन में अपनी बात रख सकते हैं और पार्टी के जनाधार को विस्तार प्रदान कर सकते हैं।

वहीं, जिला शहर अध्यक्ष श्री महेश जाटव ने अपने संबोधन में कहा कि अल्पसंख्यक समाज शुरू से ही कांग्रेस का एक अभिन्न हिस्सा रहा है। आने वाले समय में संगठन को बूथ स्तर तक ले जाने और उसे सशक्त बनाने में अल्पसंख्यक विभाग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से योग्य, सक्रिय और निष्ठावान कार्यकर्ता को ही यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष मार्शल खान ने कहा कि मुस्लिम समाज हमेशा से कांग्रेस की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा का समर्थक रहा है और देश के विकास व हित को सर्वोपरि मानकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करता आया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कट्टरवादी मानसिकता रखने वाले कुछ दल अगर यह भ्रम पाले हुए हैं कि वे मुस्लिम समाज को कांग्रेस से दूर कर देंगे, तो यह उनकी बड़ी गलतफहमी है। बैठक में मौजूद अन्य पदाधिकारियों ने भी एकजुटता दिखाते हुए कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो देश के सभी समुदायों को साथ लेकर चलती है।

इस महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक का कुशल संचालन जिला ग्रामीण संगठन महासचिव श्री आशीष ज्योतिषी ने किया, जबकि अंत में शहर अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष गब्बर पठान ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक की शुरुआत में युवा नेता जैद खान ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम को मुकुल पुरोहित, विजय साहू, हरविंदर सिंह चावला, शहजाद अंसारी, यासीन खान, आजाद खान और वसीम खान ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुनील जैन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुन्ना चौबे, रमाकांत यादव, पार्षद ताहिर खान, चमन अंसारी, सेवादल अध्यक्ष सिन्टू कटारे, शेरू खान, समीर खान, मोबीन खान, राशिद खान, जाहिद ठेकेदार, सलीम मकरानी, आसिफ खान, मोहम्मद सद्दाम, वहीद सौदागर, निसारुद्दीन, शाहिद खान, इदरीश खान, परवेज खान, शाहरुख खान, अब्दुल खान, दीपक जैन, जतिन चौकसे, राहुल चौबे, सागर साहू आदि मौजूद थे।